

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभिन्ता
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-२

देहरादून, दिनांक, ११ जुलाई, २०१७

विषय:- जनपद देहरादून के सहसपुर विकास खण्ड के अम्बीवाला ग्राम में बहुउद्देशीय जलाशय निर्माण की निर्माणाधीन योजना की वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० १३९४/प्र०अ०/बजट/बी-१ (सामान्य) दिनांक २५ अप्रैल, २०१७ के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या ३४१/सा०/II-२०१५-०३(१७)/२०१२, दिनांक ०२ जनवरी, २०१६ द्वारा जनपद देहरादून के सहसपुर विकास खण्ड के अम्बीवाला ग्राम में बहुउद्देशीय जलाशय के निर्माण कार्य की योजना स्वीकृत लागत रु० २५४.५९ लाख के सापेक्ष अवमुक्त धनराशि रु० १४५.०० लाख के व्यय प्रगति के दृष्टिगत योजना के अवशेष कार्य हेतु रु० ४०.०० लाख (रु० चालीस लाख मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (ii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (iv) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (v) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या २०४७/XIV-२१९(२००६) दिनांक ३०.०५.२००६ द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (vi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि०-३१.०३.२०१८ तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (vii) स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के क्रियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।

२ इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में अनुदान संख्या-२० के अन्तर्गत लेखाशीर्षक ४७०१-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-८०-सामान्य व्यय-०५१-निर्माण-०२- जल संवर्धन एवं जल संरक्षण के लिये जलाशयों एवं कन्टूर ट्रेंच आदि का निर्माण (४७०१-८०-८००-०३ से स्थानान्तरित) -२४ वृहद निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।



यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक 30 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव।

स्व:- 820/11-2017-03(17)/2012

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
4. आयुक्त, कुमौयू मण्डल, नैनीताल।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
8. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
11. वित्त नियंत्रक, सिंचाई विभाग, देहरादून।
12. सम्बन्धित सिंचाई खण्ड द्वारा प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई, उत्तराखण्ड।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(देवेन्द्र पालीवाल)
अपर सचिव